

DPN 6545

Title : ~~गीत गोविन्द~~ गीत गोविन्द GĪTA GOVINDA

Run. No. 7270

Cat. No.

Micro. No.

Subject Song गीत

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 28.5 x 8.5

Folios 1 (4) Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator जयदेव Jayadeva.

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

श्री जयदेव कवेरिदं, कुरुते मुदं, मङ्गलमुज्ज्वल गीतं ॥ ८ ॥

न. धृतमन्दन. श्यामरवचन्द्रचक्रान् ॥ १ ॥ श्रीजैदवकवत्रिदं कुत्रगमदं समैलमृदालगागं ॥ ४ ॥
॥ पद्मापयाधनगटीपत्रिनेरुलग्न. काष्मीनमृद्विगमत्रामधूसूदनस्य । यकात्रुर्गैर्गैमिव
खलदनमखद. सदाभूयूतनयूतय रुप्रियम् ॥ ४ ॥ वसन्तवासनीकुसुमकैर्समात्रेनवय
वसन्ते वैकुण्ठकांकात्रवद्विदिगकृष्णान्भ्रमन्कन्दर्पदात्रजनिगविनाकुलगयावलः
०। सं दार्थात्रार्थासत्रसमिदमृयसद्वनी ॥ ॥ वसन्तनागा ॥ यलगाल ॥ ललितलवमैलगायत्रिणा
ली लन. कामलमलमलयसमीत्र. मधुकननिकनकलम्बिगकाकिल. कुजिगकुञ्जकुटीन ॥ १ ॥

क २

न मास ३

विदुर्गिरिनिविदुस्तनसवस्तनं नृशक्तिशक्तिजननसर्मससि विनक्तिजनस्यदूतन॥
उमदमदनमनोत्रयपथिवधुजनजनिगविलाय॥ जलिकलके संलकुसुमसमृद्धिनिः
नाकुलवकुलकलाय॥ १ ॥ मृगमदसोत्ररुत्ररुसवर्णवदनवदलमालायेवजनेहृदय
विदात्रहमनसिज नखत्रुचिकिंशुकजाल॥ ३ ॥ मदनमहायनिकनकदलुत्रुचिकण
त्रकुसुमविकास॥ मिलितिलीमुखपाटलियटलकुगस्रनरुहविलाहा॥ ४ ॥ वि
गलितलज्जिगजगदवलाकननरुहकनरुहकनरुहसं विनक्तिहिकुननकुनमखाकु

४